

हुकम

हुकम या कायवाहो मध्य इनांशयल्स जज

अहकाम जो इस हुकम की तामील में जारी हुए

२०११/८०८५

कमला अलारिया, सदस्य

३१-१-१५

व्यक्तिगत प्रार्थना के अर्थों में बार बार
जो कुछ कुछ गूँठ इत्यादि काटने गरी
उपलब्ध नहीं शक्ति; निगलनी. अरुण
प्राणली एक अरुण पैरवी के करिज
के पाती है। परापूर्वी जेठाल अफार
होकर याखिल इत्यदि है।

अर्थात् कुछ-क्यापालपके हुकमों गयी।

सदस्य

कमला अलारिया

सजमेर